

उत्तरांचल शासक

कानून अनुसूची - 2

संख्या - 1232/सांस्कृतिक/2012

दोहराया दिनांक 07 जनवरी, 2012

विधायक सभा

प्रतीप

संसद के अनुच्छेद 308 के परन्तुक द्वारा अद्वय शक्ति का प्रयोग करते राज्यपाल निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं -

उत्तरांचल लोक सेवा आयोग के क्षेत्रान्तर्गत पदों पर) तदर्थ नियुक्तियों का विनियमितकरण नियमावली, 2002

साक्षात् भाग
और अद्वय

1. (1) यह नियमावली उत्तरांचल (लोक सेवा आयोग के क्षेत्रान्तर्गत पदों पर) तदर्थ नियुक्तियों का विनियमितकरण नियमावली, 2002 में जोड़ा जायेगा।

(2) यह सुशुद्ध प्रकृत होगी।

(3) यह लोक सेवा आयोग के क्षेत्रान्तर्गत अन्य गौरी पदों पर राज्यपाल की विधि द्वारा शक्ति के अन्तर्गत सभी पदों पर लागू होगा।

अध्यादेश
प्रभाव

2. किसी अन्य विधायी आदेश में निहित किसी प्रावधान से यह बात तब तक लागू रहेगी जब तक कि इस नियमावली अधिप्रावी प्रभाव होगा।

परिभाषा

3. जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई प्रतिफल न हो-

(एक) किसी पद के संदर्भ में नियुक्ति प्राधिकार का तात्पर्य ऐसे पदों पर नियुक्ति करने के लिये संलग्न प्राधिकारी से है।

(दो) "आयोग" का तात्पर्य उत्तरांचल लोक सेवा आयोग से है।

(तीन) "राज्यपाल" का तात्पर्य उत्तरांचल के राज्यपाल से है।

तदर्थ नियुक्तियों
का विनियमितकरण

4. (1) किसी व्यक्ति को-

(एक) जो सेवा में 30.06.1998 के पूर्व तदर्थ आधार पर सीधे नियुक्ति किया गया हो और इस नियमावली के प्रावधानों के दिनांक को उस समय में निरन्तर संचालित हो,

(दो) जो ऐसी तदर्थ नियुक्ति के समय नियमित नियुक्ति के लिये निहित अपेक्षाओं अंतर्गत रखता हो और

(तीन) जिसने तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, या

समाविष्टि पूरी करने के पश्चात् किसी स्थायी या अस्थायी शिफ्ट में जो उपलब्ध हो, नियमित नियुक्ति के लिये, ऐसी शिफ्ट में, संगत सेवा नियमों या आदेशों के अनुसार कोई नियमित नियुक्ति करने के पूर्व उसके अभिलेख और उपर्युक्तता के आधार पर विचार दिया जायेगा।

(2) इस नियमावली के अन्तर्गत नियुक्ति करने में, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक पदों के समय प्रचुर सरकारी आदेशों के अनुसार किया जायेगा।

(3) उपनियम (1) के प्रयोजनार्थ नियुक्ति प्राधिकारी एक चयन समिति का गठन करेगा।

(4) नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों में से एक पत्रिका सूची उस व्यवस्था-क्रम में तैयार करेगा जैसा कि नियुक्ति आदेशों के दिनांक के अनुसार अध्यापित हो, और यदि दो या अधिक व्यक्ति एक साथ नियुक्ति किये जायें तो उस क्रम में तैयार करेगा जिस क्रम में उनके नाम उक्त नियुक्ति के आदेशों में क्रमबद्ध किये गये हों। सूची की अभ्यर्थियों की चरित्र पत्रियां और ऐसे अन्य अभिलेखा सहित जो उनके उपयुक्तता की निर्धारित करने के लिये आवश्यक हो, चयन समिति के समक्ष रखा जायेगा।

(5) चयन समिति अभ्यर्थियों के नामों पर उपरोक्त (4) में निर्दिष्ट उनके अभिलेखों के आधार पर विचार करेगी।

(6) इसमें शामिल हुए गये व्यक्तियों को एक सूची उपर कर दी। सूची में नामों को उचित रूप में व्यवस्थित और कि उनके नियुक्त प्राप्ति तथा यह सुनिश्चित।

नियुक्ति प्रक्रियाओं, नियम-4 के उप नियम (2) के अन्वये को अंशित रहते हुए उक्त नियम के उपनिर्णय (8) के अन्वये तदनुसार को यह सूची में निहित एक प्रत्येक में करके जिस नाम में उनके नाम उक्त सूची में हो सके।

इस नियमावली के अन्वये को गयी नियुक्ति के उक्त सेवा में आदेशों के यदि कोई हो अन्वये को यह सम्झी जायेगी।

(1) इस नियमावली के अन्वये नियुक्ति को यह सुनिश्चित इस नियमावली के अनुसंग चरण के परामर्श केवल नियुक्ति के आदेश के दिनांक से अन्वये को हकदार होगा और सगी मामलों में, इस नियमावली के अन्वये ऐसे व्यक्ति को नियुक्ति के पूर्व सभी सेवा नियमों या सम्बन्धित नियमावली विहित प्रक्रिया के अनुसार नियुक्त आवश्यकताओं के नीचे रहना जायेगा।

(2) यदि को या अधिक व्यक्ति एक साथ नियुक्त किये जायें तो उनकी परस्पर सम्बन्धित नियुक्ति के आदेश में उल्लिखित क्रम में अन्वये को जायेगी।

8. ऐसे व्यक्ति को सेवा, को तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया हो और जो उपर्युक्त न पाया जायें या जिसका मामला इस नियमावली के नियम-4 के उपनियम (1) के अन्वये न आता हो, तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और ऐसी समाप्ति पर वह एक बार का वेतन पाने का हकदार होगा।

आज्ञा से
सचिव।

संख्या: 1113/(1)/कार्मिक-2/2002 तद्विनांक।

प्रतिनिधि - निम्नालिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु प्रेषित :-
समस्त प्रमुख सचिव/सचिव उत्तरांचल शासन।
सचिव, श्री राज्यपाल उत्तरांचल।
समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
समस्त विभागध्यक्ष, उत्तरांचल।
स्थानिक आयुक्त, नई दिल्ली।
सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तरांचल, हरिद्वार।
निदेशक, राजकीय भुद्रणालय, रुड़की को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उक्त आदेश को गजट में प्रकाशित कर इसकी 1000 प्रतियां उपलब्ध करायें।
नियंत्रक उच्च न्यायालय, उत्तरांचल, नैनीताल।
आयुक्त अनुसूचित जाति तथा जनजाति, उत्तरांचल, देहरादून।
प्रिय विभाग सभा, उत्तरांचल, देहरादून।
नरेश मंत्रियों के निजी सचिवों को यह सूचनाओं के सूचनाएं।
सिवालय के समस्त अनुभाग।
ई फाईल।

आज्ञा से,
आज्ञा से कुमार जीन
सचिव।